सांध्य दैनिक
4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 10 • अंकः 191 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, शुक्रवार, 16 अगस्त, 2024

समाज के लिए छोटी सेवाएं प्रदान करके हम समाज को बदलते हैं। जैसे दही की एक बूंद जब दूध में डाली जाती है तो उसे दही में बदल देती है।

–महात्रिया रा

थानों की बोली लगेगी तो यही... 7 | महाराष्ट्र में चुनावी सरगर्मी हुई... 3 | भाजपा सरकार मतलब हर तरफ... 2

लाल किले पर नेता प्रतिपक्ष की सीट को लेकर सियासी घमासान

प्रधानमंत्री के भाषण पर भी उठे सवाल

- » कांग्रेस बोली- भारत के लोगों का एनडीए सरकार ने किया अपमान
- » रक्षा मंत्रालय ने दी सफाई खिलाड़ियों की वजह से ऐसा किया गया
- » पीएम के संबोधन पर बसपा व शिवसेना यूबीटी ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सीट अरेजमेंट व प्रधानमंत्री के भाषण को लेकर सियासी घमासान मच गया है। कांग्रेस ने सवाल खड़ा किया है। पार्टी ने आरोप है कि राहुल गांधी को पांचवीं पंक्ति में बिठाया गया जो विपक्ष के नेता के प्रोटोकॉल के खिलाफ़ है।

पार्टी का कहना है कि लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता को कैबिनेट मंत्री का दर्ज़ा हासिल होता है। वहीं रक्षा मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि ऐसा ओलंपिक खिलाड़ियों को जगह देने के लिए किया गया जिसके चलते कुछ केंद्रीय मंत्रियों को भी पीछे की पंक्ति में बिठाया गया। गौरतलब हो कि साल 2013 के बाद ऐसा पहली बार हुआ जब लाल क़िले पर मुख्य कार्यक्रम में लोकसभा में विपक्ष का नेता शरीक हुए, ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि 2014 और 2019 चुनावों के बाद कांग्रेस को इतनी सीटें नहीं मिल सकी थीं कि पार्टी के किसी नेता को लोकसभा में विपक्ष के नेता का दर्जा मिल सके।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी के साथ बैठे थे राहुल

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम की आयी तस्वीरों में देख सकते हैं कि राहुल गांधी नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी के बगल में बैठे है। और उनसे बातें करते दिखाई दे रहे हैं। समारोह के मुख्य मंच की बाईं तरफ़ बैठे राहुल गांधी के आगे ओलंपिक में पदक जीतने वाले कुछ खिलाड़ी भी देखे जा सकते हैं। इसमें राहुल गांधी आगे से पांचवीं पंक्ति में बैठे देखे जा सकते हैं।

सरकार राहुल गांधी से घबराती है : श्रीनेत

पार्टी की सोशल मीडिया प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि सरकार राहुल गांधी से घबराती है क्योंकि वो सरकार पर सीधा हमला करते हैं।

गणमान्य व्यक्तियों के बैठने के लिए प्रोटोकॉल का अनुसरण किया गया : रक्षा मंत्रालय

लाल किले पर होने वाले इस राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन रक्षा मंत्रालय की निगरानी में होता है। विवाद उठने के बाद मंत्रालय के सूत्रों ने जानकारी दी कि ऐसे समारोहों में गणमान्य व्यक्तियों के बैठने के लिए प्रोटोकॉल का अनुसरण किया जाता है, इस साल ओलंपिक पदक विजेताओं को सम्मान देने का फ़ैसला किया गया था, कुछ केंद्रीय मंत्रियों को भी पदक विजेताओं के पीछे बिठाया गया था।

संवैधानिक व्यवस्था को कम्युनल कहना उचित नहीं : मायावती

बसपा सुप्रीमो मायावती ने पीएम नरेंद्र मोदी के सांप्रदायिक नागरिक संहिता वाले बयान को लेकर निशाना साधा है। सरकार संविधान की मंशा के हिसाब से सेक्युलरिज्म का पालन करे यही सच्ची देशभक्ति व राजधर्म है। मायावती ने को एक्स पर लिखा, पीएम द्वारा कल 15 अगस्त को लाल किले से बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर द्वारा सभी धर्मों का एक-समान सम्मान के धर्मनिरपेक्षता के सिद्धान्त की संवैधानिक व्यवस्था को कम्युनल कहना क्या उचित है?

शाह और सीतारमण को आगे सीट क्यों दी गई : वेणुगोपाल

कांग्रेस नेता के सी वेणुगोपाल ने एक्स पर पूछा कि ओलंपिक खिलाड़ियों को सम्मान मिलना चाहिए लेकिन फिर अमित शाह और निर्मला सीतारमण जैसे केंद्रीय मंत्रियों को खिलाड़ियों के आगे सीट क्यों दी गई।

पीएम का भाषण नहीं चुनाव प्रचार था : शिवेसना

पर पीएम मोदी ने लाल किले की प्राचीर से देशवासियों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने लगभग 97 मिनट तक भाषण दिया है। आजादी के बाद किसी प्रधानमंत्री का ये सबसे लंबा भाषण है। शिवसेना (यूबीटी) ने अपने मुखपत्र सामना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस के भाषण को बोरिंग (उबाऊ) बताया है। सामना में लिखा गया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनसे जुड़े लोग देश की आजादी को लेकर कभी गंभीर नहीं रहे। उन्होंने ऐसा भाषण दिया जो किसी चुनाव प्रचार रैली में दिया जाना चाहिए था।

कोलकाता हाईकोर्ट ने लगाई प्रशासन को कड़ी फटकार

- » मेडिकल कॉलेज में हुई तोड़फोड़ पर अदालत सख्त
- » बोले न्यायाधीश- राज्य मशीनरी पूरी तरह नाकाम अस्पताल बंद करना ही बेहतर होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज डॉक्टर रेप कांड पर बवाल अभी जारी है। उधर बुधवार की आधी रात कुछ लोगों द्वारा अस्पताल परिसर में घुसकर आपातकालीन विभाग में तोड़फोड़ की घटना को लेकर कोलकात हाईकोर्ट ने प्रशासन पर कड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने इस घटना पर चिंता जताते हुए राज्य मशीनरी को पूरी तरह नाकाम बताया है।

वहीं, कोर्ट ने सलाह दी है कि बेहतर होगा अस्पताल बंद किया जाए। वहीं, अस्पताल में मौजूद मरीजों को किसी दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया जाए। ज्ञात हो कि आरजी कर अस्पताल के निकट पुलिस बैरिकेड तोड़कर कर भीड़ परिसर में घुस गई। कुछ लोगों ने कुर्सियां और बोर्ड तोड़ दिए। यह घटना तब हुई जब जूनियर डॉक्टर के लिए न्याय की मांग करते हुए बड़ी संख्या में महिलाएं कोलकाता की सड़कों प्रदर्शन कर रही थीं। अस्पताल में हुई तोड़फोड़ को लेकर पुलिस ने जानकारी दी थी कि 30-40 युवक अंदर घुसकर तोड़फोड़ की है। बड़ी बात यह है कि पुलिस के सामने ही तोड़फोड़ होती रही। इस पर अब प्रश्न यह उठने लगा है कि क्या महिलाओं के शांतिपूर्ण आंदोलन से ध्यान हटाने के लिए तो सुनियोजित घटना तो नहीं है। कलकत्ता हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इस मामले को कोर्ट ने एक अस्पताल में तोड़फोड़ से जुड़ा एक ईमेल मिलने के बाद लिया है।

7000 लोग ऐसे ही तो चलकर नहीं आ सकते : चीफ जस्टिस

हाईकोर्ट ने आगे कहा, आप सीआरपीसी की धारा 144 कभी भी लगा देते हैं, लेकिन जब इतनी सारी चीजें अस्पताल के पास चल रही हैं तो कम से कम पूरे क्षेत्र की घेराबंदी करनी चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि किसी भी जगह पर 7000 लोग ऐसे ही तो चलकर नहीं आ सकते।

भाजपा व अन्य विपक्षी दलों का प्रदर्शन जारी

सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भाजपा दोनों शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन करेंगी। भाजपा महिला मोर्चा द्वारा मुख्यमंत्री के कालीघाट आवास तक कैंडल मार्च भी निकाला जाएगा। दूसरी तरफ, तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी दोषियों को फांसी की सजा की मांग को लेकर कोलकाता में रैली का नेतृत्व करेंगी। इस रैली के जरिए ममता सरकार दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग करेगी।

सीएम ममता बनर्जी निकालेंगी रैली

आरसीकर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुई अत्याचार के खिलाफ सीएम ममता बनर्जी की अगुआई में आज टीएमसी रैली निकालेगी। रैली की जानकारी देते हुए तृणमूल सांसद और प्रवक्ता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि कोलकाता में एक युवती की हत्या और बलात्कार की घटना से अधिक क्रूर और जघन्य अपराध की कल्पना करना कठिन है। बता दें कि फिलहाल इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है। बता दें कि ममता बनर्जी ने कहा कि दोषियों को अगले रविवार तक फांसी दे दी जानी चाहिए। इसको लेकर उन्होंने सीबीआई को अल्टीमेटम दिया है।

भाजपा सरकार मतलब हर तरफ अंधकार ही अंधकार : अखिलेश

» रामपथ की लाइटें चोरी होने पर सपा मुखिया ने योगी सरकार पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या में नवनिर्मित रामपथ और भक्ति पथ पर लगी लाइटें चोरी होने पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा सरकार मतलब हर तरफ अंधकार। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि -अयोध्या में चोरों ने की कानून-व्यवस्था की बत्ती गुल।

इसीलिए जनता तो पहले ही कह रही थी, बिन बिजली के खड़ा है खंभा। भाजपा सरकार, मतलब अंधेर नगरी सब तरफ अंधकार। अयोध्या कहे आज का। नहीं चाहिए भाजपा। उप्र-अयोध्या में चोरों ने की क़ानून-व्यवस्था की बत्ती गुल। इसीलिए जनता तो पहले ही कह रही थी, बिन बिजली के खड़ा है खंभा। भाजपा सरकार, मतलब अंधेर नगरी सब तरफ़ अंधकार। अयोध्या कहे आज का। नहीं चाहिए भाजपा।

सपा प्रतिनिधिमंडल कल करेगा रायबरेली का दौरा

लखनऊ समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल 11 अगस्त को हुई 22 वर्षीय दलित व्यक्ति की हत्या पर जानकारी इकट्ठा करने के लिए शनिवार को रायबरेली का दौरा करेगा। पार्टी के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। पदाधिकारी नेबताया कि अर्जुन पासी के परिवार के सदस्यों से भी मुलाकात की जाएगी, जिनकी कथित तौर पर जिले के सलोन इलाके में कुछ स्थानीय लोगों के साथ झगड़े के बाद गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने कहा कि इस सिलसिले में अब तक कम से कम छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। समाजवादी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशों के बाद पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल 17 अगस्त को रायबरेली जिले का दौरा करेगा। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में मोहनलालगंज लोकसभा सांसद आरके चौधरी, समाजवादी बाबा साहेब अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती, समाजवादी पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष सीएल वर्मा और बछरावां विधायक श्याम सुंदर भारती समेत अन्य शामिल होंगे।

भाजपा के आरोपों के खिलाफ भंडाफोड़ अभियान चलाएगी सपा

भाजपा विभिन्न घटनाओं को लेकर सपा पर जो आरोप लगा रही है, उसके खिलाफ समाजवादी नेता शीघ्र ही भंडाफोड़ अभियान चलाएंगे। सपा सूत्रों का कहना है कि अलग-अलग जिलों में हो रही घटनाओं के असली कारणों को सामने लाने के लिए फैक्ट फाइंडिंग टीमें भी भेजी जाएंगी। सपा नेतृत्व ने सभी जिला व शहर कमेटियों को निर्देश दिए हैं कि भाजपा के लोग सपा को बदनाम करने के लिए अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। इन आरोपों की तत्काल पड़ताल कर सही तथ्यों को सोशल मीडिया व अन्य मीडिया के माध्यम से जनता के सामने लाएं।

आपसी खटपट का हाल बताएं सीएम योगी

सीएम योगी आदित्यनाथ की 'खटाखट' पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 'खटपट' का पलटवार किया है। अखिलेश ने पूछा है कि आपसी खटपट का क्या हुआ। यह खत्म हुई है या झूठी मुस्कानों में यह दरार सिर्फ ढकी भर है। योगी ने एक कार्यक्रम में कहा था कि लोकसभा चुनाव में खटाखट स्कीम लेकर आने वालों का अता-पता नहीं है।

सपा सांसद की सदस्यता रद्द करने वाली याचिका खारिज

» हाईकोर्ट ने ठुकराई मेनका गांधी की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सुल्तानपुर संसदीय क्षेत्र से सपा के जीते सांसद रामभुआल निषाद के चुनाव को चुनौती देने वाली मेनका गांधी की याचिका को बुधवार को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि याचिका देरी से दाखिल की गई, जो संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत बाधित है। ऐसे में याचिका खारिज की जाती है।

कोर्ट ने बीते 5 अगस्त को याचिका को सुनवाई को ग्रहण करने के बिंदु पर सुनवाई के बाद आदेश सुरक्षित कर लिया था। न्यायमूर्ति राजन रॉय की एकल पीठ के समक्ष मेनका गांधी द्वारा दाखिल याचिका पर याची की ओर से सुप्रीमकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने दलीलें पेश की थीं। भाजपा की वरिष्ठ नेता मेनका संजय गांधी ने बीती 27 जुलाई को चुनाव याचिका दाखिल की थी। याचिका में सपा सांसद के खिलाफ कथित रूप से चुनाव में भ्रष्ट आचरण करने के आरोप लगाकर सांसद के चुनाव को शून्य घोषित करने का आग्रह किया गया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याची के अधिवक्ता से पूछा था कि याचिका 7 दिन की देरी से क्यों दाखिल की गई।

मेनका ने लगाया है गंभीर आरोप

सांसद का चुनाव हारने वाली याची मेनका का मुख्य आरोप था कि सांसद रामभुआल निषाद के खिलाफ कुल 12 अपराधिक मामले लंबित हैं। जबकि उन्होंने चुनाव की प्रक्रिया की शुरुआत में फार्म 26 भरते हुए सिर्फ 8 अपराधिक मामलों का खुलासा किया। याची का यह भी आरोप था कि ऐसे में सभी आपराधिक केसों का खुलासा न करना भ्रष्ट आचरण है। जो, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 100 के तहत भ्रष्ट आचरण की श्रेणी में आता है। याची ने चुनाव याचिका में आग्रह किया था कि सिर्फ इसी आधार पर 38 - सुल्तानपुर संसदीय क्षेत्र का चुनाव शून्य करने योग्य है।

दिल में बसे देशप्रेम को कैसे रोक पाएगी भाजपा : सुनीता केजरीवाल

» बोलीं- तानाशाही के चलते दिल्ली सीएम आवास पर तिरंगा नहीं फहराने दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने सीएम आवास पर तिरंगा नहीं फहराने को लेकर कहा कि यह तनाशाही है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखी पोस्ट में यह बात कही है। उन्होंने कहा कि आज सीएम आवास पर तिरंगा नहीं फहराया गया. बहुत अफसोस रहा. यह तानाशाही एक चुने हुए मुख्यमंत्री को जेल में रख सकती है, लेकिन दिल में देशप्रेम को कैसे रोक पाएगी।

उधर, दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने सोशल मीडिया पर लिखा, आज स्वतंत्रता दिवस है, जब 1947 में भारत को अंग्रेजों की तानाशाही से आजादी मिली। सैंकड़ों स्वतंत्रता सैनानियों ने लाठियां खायीं, जेल गये और अपनी जान की क़ुर्बानी दी- हमें यह आज़ादी दिलवाने के लिए। उनके सपनों में भी ऐसा विचार नहीं आया होगा कि एक दिन, आज़ाद भारत में, एक चुने हुए मुख्यमंत्री को झूठे मुकदमे में फंसा कर महीनों तक जेल में रखा जाएगा।

भावनात्मक स्लोगनों के जरिए भाजपा लोगों का मजाक उड़ा रही : मायावती

» बोलीं- 'हर घर तिरंगा' को प्रचार व विज्ञापन का जरिया बताया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भाजपा सरकार पर करारा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा व इनकी यूपी सरकार द्वारा बहु-प्रचारित 'हर घर तिरंगा' के तहत 'आइए, मिलकर तिरंगा फहराएं, देशभक्ति की अलख जगाएं' स्लोगन वाले प्रचार व विज्ञापन ज्वलंत समस्याओं से जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास है। ऐसे भावनात्मक स्लोगनों के जरिए भाजपा लोगों का मजाक न उड़ाए तो बेहतर होगा।

सरकार गरीबों को रोजगार के ज्यादा से ज्यादा अवसर प्रदान करे ताकि वे थोड़े से अनाज की कृपा पर आश्रित रहने के बजाय अपना जीवन आत्म-सम्मान एवं स्वाभिमान के साथ जीने योग्य बना सकें। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष एव पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने 78वें स्वतंत्रता दिवस पर देश-विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन देश के करीब 140 करोड़ बहुजनों के लिए तभी विशेष होगा, जब वे दरिद्रता से मुक्ति पाएंगे।

सरकार गरीबों को रोजगार के ज्यादा से ज्यादा अवसर दे

सरकार गरीबों को रोजगार के ज्यादा से ज्यादा अवसर प्रदान करे ताकि वे थोड़े से अनाज की कृपा पर आश्रित रहने के बजाय अपना जीवन आत्म-सम्मान एवं स्वाभिमान के साथ जीने योग्य बना सकें। साथ ही स्वरोजगार पर निर्भर लोगों को बुलडोजर चलाकर उजाड़ना बंद करे। सरकार देश की अर्थव्यवस्था के विकास का दावा करते नहीं थकती है लेकिन गरीब अगर लगातार गरीब है और उसकी कमाई नहीं ब? रही है तो ऐसे दावे हवा-हवाई नहीं तो फिर और क्या हैं। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया का रिकार्ड स्तर पर गिरता भाव आत्मनिर्भरता को प्रभावित करता है, जिस पर भी समुचित ध्यान देना जरूरी है। सरकार को लोगों का ध्यान भटकाने के बजाय, वास्तव में कल्याणकारी सरकार (वेलफेयर स्टेट) की भूमिका निभानी चाहिए।

खनन रॉयल्टी पर फैसला हमारी बड़ी जीत : सोरेन

» सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सीएम खुश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। खनन रॉयल्टी को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से खुशी जताई। उन्होंने कहा कि यह हमारी ऐतिहासिक और बड़ी जीत है। इस फैसले के बाद झारखंड को केंद्र सरकार से बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपये मिलने का रास्ता साफ हो जाएगा। दरअसल 25 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने खनिज समृद्ध राज्यों को केंद्र सरकार और खनन कंपनियों से एक अप्रैल 2005 से अब तक की बकाया खनन रॉयल्टी वसूलने की अनुमति दी है।

शीर्ष अदालत ने कहा था कि खनिज अधिकारों पर कर लगाने की विधायी शक्ति राज्यों के पास है, न कि संसद में। इस फैसले के बाद सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देते हुए हेमंत सोरेन ने एक्स पर पोस्ट किया कि हमारी मांग सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले से सफल हो गई। अब झारखंड को केंद्र से उसका बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपये मिलेगा। सरकार हर झारखंडी के बकाया और अधिकार को लेकर लगातार आवाज उठाती रही है।उन्होंने कहा कि 2005 से खनिज रॉयल्टी का बकाया भुगतान किया जायेगा।

महाराष्ट्र में चुनावी सरगर्मी हुई तेज

» यूबीटी शिवेसना व भाजपा में जुबानी जंग
» शरद-सुप्रिया के प्रति नरम हुए अजित पवार
» फणनवीस पर हमलावर हुए उद्धव-राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में चुनावी सरगर्मी तेज होती जा रही है। यात्राओं से शुरू हुई सियासी दलों की गतिविधियां अब एक दूसरे पर पर जुबानी जंग को पार करके अब एक दूसरे के काफीले पर हमले तक पहुंच गई हैं। जहां यूबीटी शिवेसना ने राज ठाकरे की एमएनएस के खिलाफ बवाल किया था वहीं एमएनएस ने उद्धव के काफीले पर गोबर फेंकर विरोध किया।

यूबीटी के राउत इसके पीछे बीजेपी का हाथ बता रहे हैं तो मनसे के राज ठाकरे कह रहे हैं जनता की नाराजगी की वजह से ऐसी घटनाएं हो रही हैं। उधर एनसीपी नेता शरद पवार के खिलाफ भी ऐसे ही प्रदर्शनों की खबरें आ रही हैं। वहीं अजित पवार ने अपनी बहन सुप्रिया सुले से करीब होने के संकेत भी दिए हैं। उन्होंने कहा है कि लोकसभा चुनाव में बहन के खिलाफ पत्नी को उतारने का निर्णय उचित नहीं था। कुल मिलाकर लग रहा है कि महाराष्ट्र के सियासी दल चुनावी मोड में आने लगे हैं।

महाराष्ट्र की सियासत को उद्धव ने धूमिल किया : शेलार

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में नेताओं के बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच मुंबई बीजेपी के अध्यक्ष आशीष शेलार ने शिवसेना यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे और पार्टी के सांसद संजय राउत पर बड़ा आरोप लगाया है। आशीष ने कहा कि इन दोनों नेताओं ने महाराष्ट्र की सियासत को धूमिल किया है। आशीष शेलार ने कहा, मुझे लगता है कि अगर किसी ने महाराष्ट्र की राजनीति की छवि को धूमिल किया है, तो वह संजय राउत और उद्धव ठाकरे हैं। संजय राउत ने बिना मर्यादा के बात करना शुरू कर दिया। उद्धव ठाकरे ने तू तू मैं मैं की भाषा का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। हाल ही में उद्धव ठाकरे ने भाजपा नेता अमित शाह को अहमद शाह अब्दाली करार दिया था। वहीं मुंबई में वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर शनिवार को शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के बांद्रा स्थित आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे मुस्लिम समुदाय के कम से कम 10 सदस्यों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। उद्धव की पार्टी के एक नेता ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों को भाजपा ने भेजा था। अधिकारी ने बताया कि जिन प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है उनमें से कई कुर्ला इलाके के निवासी हैं। नोटिस देने के बाद उन्हें रिहा कर दिया जाएगा और कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है।

दिल्ली के सामने झुक गए हैं शिंदे : उद्धव

शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर दिल्ली के सामने झुकने का आरोप लगाया। उद्धव ठाकरे ने प्रतिद्वंद्वी शिवसेना के प्रमुख शिंदे पर हमला करते हुए कहा कि वे दिल्ली के सामने झुक रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे का संघर्ष दिल्ली के सामने झुकने से इनकार करने के लिए था. उन्होंने ये भी कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव उन लोगों के खिलाफ लड़ाई है जो राज्य से नफरत करते हैं। एकनाथ शिंदे के गढ़ ठाणे शहर में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने राज्य सरकार पर अक्टूबर में होने वाले चुनावों से महीनों पहले अपनी प्रमुख योजना मुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजना की घोषणा करके मतदाताओं को रिश्वत देने का आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को इस योजना का लाभ उठाना चाहिए क्योंकि यह उनका अपना पैसा है, लेकिन उन्हें आत्मसम्मान से समझौता नहीं करना चाहिए। ठाकरे ने कहा, राज्य विधानसभा की लड़ाई उन लोगों के साथ होगी जो महाराष्ट्र से नफरत करते हैं। इससे पहले जब ठाकरे यहां गडकरी रंगायतन सभागार में अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं की एक बैठक के लिए पहुंचे तो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और उनके काफिले पर टमाटर और गोबर फेंका। कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान इस घटना का कोई उल्लेख न करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता उनके 'बाघ-नख' हैं और वह अब्दाली से नहीं डरते।

मै अपना तरीका नहीं बदल सकता : राज ठाकरे

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने उद्धव ठाकरे के काफिले पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए हमले को कार्यकर्ताओं की नाराजगी का परिणाम करार दिया। राज ठाकरे ने कहा कि कुछ लोगों ने उनके काफिले पर सुपारियां फेंकी थीं, जिसकी शिवसेना (यूबीटी) ने निंदा नहीं की, जिससे हताश मनसे कार्यकर्ताओं ने उद्धव के काफिले को निशाना बनाया। शिवसेना-यूबीटी द्वारा प्रतिक्रिया न देना मनसे कार्यकर्ताओं को नागवार गुजरा, जिस कारण उन्होंने ऐसा किया। राज ठाकरे ने अपने कार्यकर्ताओं से फिलहाल पीछे हटने की अपील की। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि विधानसभा चुनावों के बाद उन लोगों के व्यवहार पर ध्यान दिया जाएगा, जिन्होंने अपना तरीका बदलने से इनकार कर दिया है।

बहन व चाचा के करीब आर रहे अजित पवार

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने स्वीकार किया है कि हाल के लोकसभा चुनाव में बारामती से अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को मैदान में उतारकर उन्होंने गलती की। सुनेत्रा ने अपनी भाभी सुप्रिया को बारामती से चुनौती दी थी, जो एनसीपी संस्थापक शरद पवार का गढ़ है। शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने सुनेत्रा को करीब 1.6 लाख वोटों के अच्छे अंतर से हराया। सुनेत्रा को निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतारने के अपने फैसले को याद करते हुए, अजीत ने कहा कि किसी को भी राजनीति को घर में प्रवेश नहीं करने देना चाहिए। एक मराठी समाचार चैनल को दिए एक साक्षात्कार में अजीत ने कहा कि मैं अपनी सभी बहनों से प्यार करता हूं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अगले सप्ताह रक्षा बंधन के अवसर पर सुप्रिया से मिलेंगे, राकांपा नेता ने कहा कि वह इस समय दौरे पर हैं और यदि वह और उनकी बहनें उस दिन एक स्थान पर होंगे, तो वह निश्चित रूप से उनसे मिलेंगे। उल्लेखनीय रूप से, अजित लगभग अपने चाचा शरद पवार के बचाव में आ गए, जो राकांपा के महायुति सहयोगियों भाजपा और शिवसेना से आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। वरिष्ठ पवार को उनके सहयोगियों द्वारा निशाना बनाए जाने के बारे में पूछे जाने पर अजित ने कहा कि उन्हें (भाजपा और शिवसेना) भी समझना चाहिए कि वे क्या बोलते हैं। उन्होंने कहा कि जब हम साथ बैठते हैं तो मैं अपनी राय व्यक्त करता हूं।

हरियाणा में चुनावी दंगल की आहट

» कांग्रेस व बीजेपी में उठा-पटक शुरू
» सैनी सरकार ने तेज किए उद्घाटन व शिलान्यास के कार्यक्रम
» विपक्ष ने भाजपा सरकार पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा में विस चुनाव के लिए तीर तरकस कसे जाने लगे हैं। राज्य की बीजेपी सरकार ताबड़तोड़ विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करने में जुटी है। उसको लेकर विवाद भी होते जा रहें। कांग्रेस बीजेपी पर हमला बोल रही है। वह कह रही सैनी सरकार ने कोई काम तो किया नहीं कांग्रेस के कार्यो को अपना बताकर वाह वाही लूट रही है। वहीं प्रदेश के इतिहास में शायद यह पहली बार यह हुआ है कि प्रशासन ने किसी विधायक या सांसद की बजाय एक पार्टी के पदाधिकारी से विकास कार्यो का उद्घाटन-शिलान्यास करवाया।

भाजपा ने ऐसा करके लोकतांत्रिक मूल्यों की धज्जियां उड़ाने का काम किया है। हिसार जिला प्रशासन ने जिले के 72 करोड़ रुपये के विकास कार्यों उद्घाटन शिलान्यास भाजपा के जिला अध्यक्ष से कराया दिया। जिस शहर में खुद स्वास्थ्य मंत्री मौजूद हों, डिप्टी स्पीकर हों उस शहर में मंत्री, विधायकों को छोड़कर जिला अध्यक्ष से उद्घाटन कराने पर सवाल खड़े हो गए हैं। उपायुक्त ने प्रोटोकोल तोड़कर भाजपा जिला अध्यक्ष का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। विकास कार्यों के उद्घाटन-शिलान्यास का प्रेसनोट भी जारी कर दिया। बाद में सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद संसोधित प्रेसनोट भेजा गया। जिसमें बताया गया कि उद्घाटन-शिलान्यास सीएम नायब सिंह सैनी ने वीडियो कांफ्रेंस से किए हैं। विपक्ष के नेताओं ने इस उद्घाटन-शिलान्यास को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि किसी राजनीतिक दल का जिला अध्यक्ष संवैधानिक पद नहीं है।

कांग्रेस की सरकार में हुए विकास कार्यों को गिनवा रहे सीएम सैनी : दीपेंद्र हुड्डा

फतेहाबाद में रोहतक से लोकसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार के पास गिनवाने के लिए अपने काम नहीं है। उन्हें रैलियों के मंचों से कांग्रेस की सरकार में हुए विकास कार्यों को गिनवाना पड़ रहा है। अब जो मुख्यमंत्री नायब सैनी घोषणाएं कर रहे हैं, वह कबूलनामा है कि जनता का शोषण करने का काम किया है।दस साल में अच्छे काम होते तो काम के आधार पर वोट मांगते। अब तो हर घोषणा सरकार की विफलता का प्रतीक है। 500 रुपये का सिलिंडर करना भी कांग्रेस के घोषणा पत्र से ली गई घोषणा है। दस साल तक 1100 रुपये का सिलिंडर देकर जनता को लूटते रहे। दीपेंद्र हरियाणा मांगे हिसाब पदयात्रा से पहले फतेहाबाद में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 32 विधानसभा क्षेत्रों में पदयात्रा कर ली है। हर वर्ग कांग्रेस के साथ जुड़ रहा है। जनता का अपार समर्थन इस पदयात्रा को मिला है।

कांग्रेस में गुटबाजी के सवाल पर दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस एकजुट है। किसी तरह की गुटबाजी नहीं है। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे हमारे नेता हैं। उनके नेतृत्व में विधानसभा चुनाव के दौरान भी लोकसभा की तरह बेहतर तरीके से टिकट वितरण होगा। 2500 से ज्यादा लोगों ने 90 हलकों से टिकट के लिए आवेदन किया है। यह सही है कि टिकट एक ही नेता को मिलेगी, लेकिन मान-सम्मान सभी का किया जाएगा। सभी नेताओं को कांग्रेस की सरकार बनने पर सरकार में भागीदारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भीतरघात तो भाजपा में हो रही है। लोकसभा चुनाव के दौरान इसको स्पष्ट तौर पर देखा गया है।

कांग्रेस में किसी तरह की गुटबाजी नही

सत्ता का दुरुपयोग कर रही है भाजपा : आप

वीएल शर्मा, जिला सचिव , आम आदमी पार्टी ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी पर सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। देश व प्रदेश के इतिहास में सत्ता का दुरुपयोग इस प्रकार से किसी ने नहीं किया। इस मामले से पता चलता है कि भाजपा सरकार में प्रशासन भी पूरी तरह से पंगु हो चुका है। जिला प्रशासन यदि किसी पार्टी की चाटुकारिता करता है तो उससे चुनावों में भी निष्पक्ष होने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। इस मामले ने प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़ा कर दिया है। इस मामले से प्रशासन के प्रति आम जनता का भरोसा कमजोर हुआ है। उच्चाधिकारियों को इस मामले में संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन के दोषी अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

प्रशासन के आगे भाजपा नतमस्तक : कांग्रेस

योगेश सिहाग, प्रदेश प्रवक्ता हरियाणा कांग्रेस ने कहा है कि प्रदेश के इतिहास में शायद यह पहली बार यह हुआ है कि प्रशासन ने किसी विधायक या सांसद की बजाय एक पार्टी के पदाधिकारी से विकास कार्यों का उद्घाटन-शिलान्यास करवाया। भाजपा ने ऐसा करके लोकतांत्रिक मूल्यों की धज्जियां उड़ाने का काम किया है। इस प्रकरण से पता चलता है कि प्रशासन भाजपा पार्टी के आगे नतमस्तक है। एक ही अधिकारी को कई महकमों की छह महीने तक तीन तीन आईएएस अधिकारियों के पद का जिम्मा देना साफ इशारा है कि दाल में जरूर कुछ काला जरूर चल रहा है। इसका जवाब देना चाहिए क जिलाध्यक्ष ने किस हैसियत से विकास कार्यों का शिलान्यास व उद्घाटन किया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

गरीब आदमी के खातों से बैंकों की लूट!

पिछले कई सालों से रिजर्व बैंक रेपो दर नहीं बढ़ा रहा है जसकी वजह से लोगों को ईएमआई की दरों में कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है जिससे भारी ब्याज लोगों भरना पड़ रहा हैं। इससे उपभोक्ताओं आर्थिक रूप से चोट पहुंच रही हैं। यह ज्यादिती तो आरबीआई की हुई अब नइं खबर आई हैं बैंकों ने न्यूतम बैलेंस के नाम पर आम लोगों के अरबों रुपये दबा दिए हैं। ऊपर से आम आदमी को बैंकों में कोई सुविधा भी नही मिलती है। साढ़े 8 हजार करोड़ रु. की जुर्माना राशि का आंकड़ा किसी भी तरह से कपोल कल्पित या अतिशयोक्ति पूर्ण नहीं हैं क्योंकि यह जानकारी अधिकृत रुप से संसद में केन्द्रीय वित राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा दी गई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में बैंकों में मार्च, 23 में 294 करोड़ से अधिक खाते हैं। अब यह स्पष्टीकरण देने का कोई मतलब नहीं कि यह पैसा गरीब खातेदारों के अकाउंट्स से ही गया हैं क्योंकि पैसे वाले खाताधारकों के खातों में तो न्यूनतम बैलेंस रहता ही है।

देश में बैंकिंग नेटवर्क का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, 22 निजी क्षेत्र के बैंक, 44 विदेशी बैंक, 56 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, 1485 अरबन कोआपरेटिव बैंक और हजारों की संख्या में ग्रामीण सहकारी बैंकिंग संस्थाएं हैं। पिछले पांच सालों में एसबीआई को छोड़ शेष 11 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने केवल और केवल मिनिमम बैलेंस के नाम पर 8 हजार 500 रु. करोड़ रु. की कमाई की है।

देश में बैंकिंग नेटवर्क का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, 22 निजी क्षेत्र के बैंक, 44 विदेशी बैंक, 56 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, 1485 अरबन कोआपरेटिव बैंक और हजारों की संख्या में ग्रामीण सहकारी बैंकिंग संस्थाएं हैं। पिछले पांच सालों में एसबीआई को छोड़ शेष 11 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने केवल और केवल मिनिमम बैलेंस के नाम पर 8 हजार 500 रु. करोड़ रु. की कमाई की है। इसका साफ साफ अर्थ है कि गरीब आदमी के खातों से साढ़े आठ हजार करोड़ रुपए तो इन बैंकों में न्यूनतम बैलेंस ना रख पाने के कारण गवाने पड़े है। यह तो तब है जब देश के सबसे बड़े बैंक ने 2019-20 में न्यूनतम बैलेंस की पैनेल्टी के रुप में 640 करोड़ जुर्माना के रुप में वसूलने के बाद न्यूनतम बैंलेंस पर पेनेल्टी लगाने का आदेश वापिस ले लिया। 12 में से 11 बैंकों की साढ़े 8 हजार करोड़ की पांच साल में पेनेल्टी वसूली रही है तो कल्पना की जा सकती है कि निजी क्षेत्र के बैंकों ने इस तरह के जुर्माने से कितना खजाना भरा होगां। यह तो सभी संस्थागत बैंकिंग संस्थाएं है। जन धन खातों की परिकल्पना से गरीब से गरीब आदमी का बैंकों से जुड़ाव हुआ है। और अब डिजिटल लेन-देन की सुविधा ने तो सब कुछ ही बदल कर रख दिया है। आज पांच रुपए का धनिया तक पेटीएम या इसी तरह के किसी प्लेटफार्म से आसानी से भुगतान कर खरीदा जा सकता है। दिन प्रतिदिन डिजिटल पेमेंट का चलन आम होता जा रहा है। चंद मिनटों में कहीं से भी किसी को भी मोबाइल या ऑनलाइन बैंकिंग सुविधा से चंद सैकंड में भुगतान पहुंचने लगा है। यह सब बैंकिंग सेवाओं में सुधार और विस्तार का उदाहरण है तो दूसरी और नकदी लेन-देन का स्थान डिजिटल पेमेंट ने ले लिया है। सरकार को बैंकों के इस मनमनीपने *को रोकना होगा।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

न्यायतंत्र को गतिशीलता देती तकनीकी पहल

न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़

मुझे इस राष्ट्रीय सम्मेलन में उद्घाटन संबोधन देते हुए प्रसन्नता हो रही है, जिसका उद्देश्य भारत के न्यायालयों के कामकाज पर तकनीक के परिवर्तनकारी प्रभाव का अन्वेषण एवं भविष्य की रूपरेखा पर विचार करना है। यह आयोजन न्याय प्रदान करने में, तकनीक से लाभ लेने में हमारी महत्वपूर्ण प्रगति को रेखांकित करता है। भारत के मुख्य न्यायाधीश का पद संभालने से पहले, मुझे सर्वोच्च न्यायालय की ई-कमेटी में बतौर अध्यक्ष सेवा निभाने का सम्मान मिला। पिछले चार सालों में, इस विषय में हुआ हमारा उल्लेखनीय क्रमिक विकास नजदीक से देखा है, तकनीक की जरूरत होने पर विचार करने की शुरुआत से लेकर इसकी बारीकियों और सर्वोत्तम कार्यविधि की पहचान के लिए गहरे उतरने तक। आज, न्याय प्रक्रिया सुलभ बनाने में तकनीक को बतौर एक अभिन्न उत्प्रेरक मान्यता प्राप्त है।

इस सम्मेलन के विषय-वस्तु से बेहतर प्रमाण हमारे संवाद का नहीं हो सकता, जिसका चयन पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के हमारे साथियों ने सोच-समझकर किया है। जिन विषयों पर विचार होना है, उनमें तकनीकी कार्यविधि से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डाटा सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। यह रेखांकित करता है कि विमर्श इस बात को लेकर नहीं है कि क्या तकनीक को अपनाया जाना चाहिए बल्कि इसलिए है कि इससे बेहतरीन लाभ कैसे उठाया जाए। जब मैं बतौर युवा न्यायाधीश बॉम्बे उच्च न्यायालय में था, अधिकांश न्यायाधीशों को डेस्क टॉप इस्तेमाल करना नहीं आता था। तथापि, देखने लायक है कि बतौर संस्थान और व्यक्ति के स्तर पर, हमने खुद में किस कदर बदलाव लाया है। जब कभी मैं कार्मिक विभाग के लोगों से इस विषय को छेड़ने की कोशिश करता हूं तो अक्सर प्रतिक्रिया आती है च्क्या साहब, आप फिर से तकनीक के बारे में बात करने जा रहे हैं? लेकिन उन्हें अहसास नहीं हो पा रहा कि तकनीक बतौर एक औजार न्याय को सुलभ बनाएगी, और यह उद्देश्य हमारे लोकतंत्र की नींव से गहरे तक जुड़ा है। इससे पारदर्शिता, लोकतंत्र और न्याय तक समान पहुंच बनाने में इजाफा होता है-वे मूल्य, जो हमारे गणतंत्र का मूल आधार हैं।

हमारी न्याय व्यवस्था में तकनीक से बनी पारदर्शिता का सबसे बढ़िया उदाहरण है अदालती कार्यवाही का लाइव प्रसारण और हाईब्रिड सुनवाई की

सुविधा। सर्वोच्च न्यायालय से लेकर न्यायाधिकरण तक, आभासीय सुनवाई अब देशभर में एक सामान्य प्रचलन है और आठ लाख से अधिक मुकदमों में इसका उपयोग हो चुका है। यह परिवर्तन वादी, वकील और जनता के लिए पारदर्शिता एवं जवाबदेही में बढ़ोतरी कर रहा है। हाईब्रिड सुनवाई सुविधा के साथ, वकील देशभर में किसी भी अदालत के सामने ऑनलाइन पेश हो सकता है, यह विधि हमारे नागरिकों के लिए सर्वश्रेष्ठ विधिक प्रतिनिधित्व की आसानी सुनिश्चित करती है। यहां तक कि वादी घर बैठे लॉग-इन करके पेशी भुगत सकते हैं या सारी अदालती कार्रवाई वास्तविक समय में देख सकते हैं, जिससे हम जजों के लिए अपने शब्दों और कामकाज को लेकर जवाबदेही बन जाती है।

नवाचारयुक्त पहलकदमी जैसे कि राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड (एनजेडीजी) ने हमारी न्याय व्यवस्था में क्रांतिकारी पारदर्शिता बना दी है। यह ग्रिड लंबित मामलों का डाटा और निपटान दर वास्तविक समय में प्रदान करती है, और नागिरकों को न्यायालय की कार्यकुशलता की निगरानी करने में सशक्त करती है। मैंने प्रदेशों के उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों से आह्वान किया कि वे उच्च न्यायालय के तमाम प्रशासनिक जजों को राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड का इस्तेमाल करने को प्रोत्साहित करें। देशभर में अदालतों के अंदर लगाए गए वर्चुअल जस्टिस क्लॉक इस दिशा में अगला कदम है, यह मुख्य मापदंडों को मूर्त रूप में पेश करता है। सर्वोच्च न्यायालयों की संविधान पीठों के समक्ष हुई बहसों की एआई जनित अनुवाद सुविधा अनुसंधानकर्ताओं, वकीलों और शिक्षाविदों को कीमती एवं मुक्त स्रोत उपलब्ध करवाती है। यह अनुवाद अदालती कार्यवाही का भरोसेमंद रिकॉर्ड पेश करते हैं और मैंने फैसले लिखते समय कानून के जटिल सवालों पर इन्हें बहुत उपयोगी पाया है।

पारदर्शिता न केवल हमारे संस्थान को और अधिक जवाबदेह बनाती है बल्कि हमारे न्याय सिद्धांत की गुणवत्ता में भी इजाफा करती है। जब 1998 में मुझे उच्च न्यायालय का जज बनने के लिए आमंत्रित किया गया, तब मैंने अनेक ज्ञानी लोगों से सलाह की थी, उनमें एक जस्टिस एपी सेन ने मुझे कहा कि जज सदा रेत पर पदचिन्ह छोड़ता है -लिखित शब्दों के रूप में। आज आधुनिक तकनीक के फायदे के साथ, अदालती बहस का अनुवाद भावी पीढ़ियों के लिए फैसले के पीछे रही कानूनी सोच को समझने का एक शाश्वत स्रोत बनेगा। हाईब्रिड सुनवाई न्याय तक पहुंच को और अधिक सुलभ बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसका एक बढ़िया उदाहरण हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आयोजित लोक अदालत है, जिसमें एक हजार से अधिक लंबित मामले सफलतापूर्वक निपटाए गए। यह लोक अदालत तकनीक के उपयोग बिना संभव न होती। देशभर से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य, वादियों और वकीलों ने बिना किसी कठिनाई इसमें भाग लिया, कार्यकुलशता बढ़ी और भागीदारी एवं सुलभता प्रोत्साहित हुई।

बांग्लादेश में लोकतंत्र ढहने की मूल वजहें

गुरबचन जगत

'वीसीज् फॉर कमला' के नाम तले एक समूह ने बयान जारी कर कहा है च्इस महत्वपूर्ण बेला में हम सब एकजुट होकर कमला हैरिस का समर्थन करते हैं।ज् यह गुट तकनीक उद्योग की प्रतिष्ठित कुछ कंपनियों के महत्वपूर्ण अगुआओं का है, जिसमें लिंक्डइन के संस्थापक रीड हॉफमैन, एप्पल के सह-संस्थापक स्टीव वॉजनिएक और सन माइक्रोसिस्टम्स के सह-संस्थापक विनोद खोसला शामिल हैं। इस समूह ने 700 टेक लीडर्स के हस्ताक्षर युक्त अपने वक्तव्य में कहा, च्हम व्यवसाय के पक्ष में हैं, हम अमेरिका को आगे ले जाने के स्वप्न के पक्षधर हैं, हम नवोन्मेष के समर्थक हैं, हम तकनीकी प्रगति के हक में हैं। हमारा विश्वास अपने देश के रीढ़ रूपी लोकतंत्र में है। हमारा मानना है कि मजबूत, विश्वसनीय संस्थान एक विशेषता हैं न कि बुराई -उद्योग कोई भी हो- उनके बिना ढह जाएगा।ज् यह उन दो मूलभूत सिद्धांतों -लोकतंत्र एवं संस्थान- को प्रतिपादित करते हैं, जिसकी नींव पर देश उन्नति करते हुए विकसित राष्ट्र बनता है। ये वो सिद्धांत हैं, जिन्हें साहसी स्त्री-पुरुषों ने लागू किया था, जो अधिनायकवादी, फसादी, फासीवादी और हिंसात्मक ताकतों से लड़े और उन्हें हराया। लड़ाई अभी भी जारी है और तानाशाही एवं फसादी ताकतें लोकतंत्र एवं कानून के राज को लीलने को तत्पर हैं। संस्थान, जो कि संविधान और संसद में निहित आदेश-पत्र से वजूद में आए, यूरोप और उत्तर अमेरिका में उनमें अधिकांश अपने कर्तव्यों को अंजाम देने को डटकर खड़े हैं, हालांकि मजबूत जिद्दी ताकतें इनके विरोध में हैं।ज्

च्द मैग्ना कार्टा लिब्रटेटमज् (स्वतंत्रता का महान राजपत्र) में सार्वभौम अर्थात शासक को कानून के शासन के तहत बताया गया है और इसमें आजाद इंसान को मिली स्वतंत्रताओं का जिक्र है। यह एंग्लो-अमेरिकन न्याय-प्रणाली में नागरिक अधिकारों को आधार मुहैया करवाता है। आगे चलकर, राजा के च्दिव्य अधिकारोंज् को धीरे-धीरे छीन लिया गया, जिससे लोकतंत्र की स्थापना हुई। यह समाज का रूपांतरण था, जहां से कानून का राज और आम नागरिक का सशक्तीकरण स्थापित हुआ। इससे महान लोकतंत्र बनाने की राह प्रशस्त हुई। पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री मारग्रेट थैचर के शब्दों में च्एक देश केवल इसलिए समृद्ध नहीं होता कि उसके पास अकूत प्राकृतिक स्रोत हैं, यदि ऐसा होता तो आपका देश (रूस) विश्व का सबसे अमीर मुल्क कब का बन चुका होता। यह उद्यमित्ता है जिससे धन पैदा होता हैज् मैं जिस पूंजीवाद की समर्थक हूं, उसका अर्थ सबके लिए मनमर्जी की खुली छूट नहीं है बल्कि वह है जिसमें कोई ताकतवर अपनी हैसियत का फायदा ईमानदारी, भद्रता और सामूहिक कल्याण की एवज में न उठाने पाए। पूंजीवाद तभी काम करेगा जब कानून का राज मजबूत एवं न्यायप्रिय हो, जिसके प्रति सरकार सहित हर कोई उत्तरदायी हो।ज्

इसकी आगे व्याख्या करें तो, देखा गया कि अधिकांश विकसित देश समय के साथ अपने संस्थानों को मजबूत बनाते चले गए, जिसके वास्ते उनके संविधान और संसद में प्रावधान निहित हैं और फिर यही संस्थान दो विश्व युद्धों की विपरीत परिस्थितियां बनने पर जरा नहीं डिगे बल्कि और सुदृढ़ एवं विजयी बने। वहीं दूसरी तरफ, कम विकसित और हाल ही में आजाद हुए मुल्कों ने शुरुआत चाहे सही इरादों से की हो, लेकिन जल्द ही कट्टरता के अतिरिक्त, ताकत और पैसे की लालसा के सामने डिगते चले गए और इसकी एवज में धीरे-धीरे अपने संस्थानों को तबाह करते गए। लोकतंत्र की जगह किसी एक नेता या पार्टी या मंडली के अधिनायकवाद अथवा तानाशाही ने ले ली, वह भी इस स्तर तक कि जनता उम्मीद और न्याय के लिए फौज को बतौर प्रकाशपुंज देखने लगे। न्यायपालिका, निर्वाचित प्रतिनिधि संस्थाएं, राजनीतिक दल- यह सब लोकतंत्र को ध्वस्त करने वालों के हमले के सामने ताश के महल की तरह ढहते चले गए, जो न तो कानून का शासन चाहते हैं न ही इन्हें गरीब और समाज के सबसे निचले तबके के उत्थान से सरोकार है, ये वह ताकतें हैं जो सत्ताधारी दल, नेता अथवा मंडली का साथ देती हैं।

अब आते हैं उस देश की तरफ, जिसके संदर्भ में मैंने ऊपर का सब लिखा है यानी बांग्लादेश (पहले पूर्वी पाकिस्तान)- अपनी स्थापना से ही इसके पास वे तमाम अवयव थे जो एक अलग देश होने के लिए जरूरी होते हैं। पाकिस्तान के साथ इसकी राजनीतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक सांझ जरा नहीं थी, ले-देकर एक धर्म की समानता थी, वह भी पूरी तरह नहीं। पाकिस्तानी हुक्मरानों ने अपना निज़ाम बनाए रखने को इसे अपनी फौज के जूतों तले रौंदवाया, आतंक का कहर मचाया और नरसंहार किया। न्याय पाने को सेना ही पहला और अंतिम चारा थी, तमाम अन्य संस्थानों का बधिया कर डाला। लोग उठे और मुक्ति बाहिनी बनाई और शेख मुजीब-उर-रहमान के रूप में भरोसेयोग्य नेता उभरा। उनका साथ विचारशील एवं साहसी इंदिरा गांधी के नेतृत्व ने दिया, बांग्लादेश का जन्म हुआ। आरंभिक वर्षों में ही त्रासदी घटी जब शेख मुजीब और लगभग पूरे परिवार को 1975 में मार डाला गया। सेना और अधिनायकवादी ताकतों का शासन फिर से काबिज हो गया। बांग्ला देश घूमकर वहीं आ गया जहां से शुरू किया था। तथापि, आगे चलकर शेख हसीना लोगों का समर्थन प्राप्त कर बांग्लादेश की लोकप्रिय नेता बनीं। चुनाव हुए, निर्वाचित सरकार बनी और संसद पुन: काम करने लगी, साथ ही संस्थान पुन: जीवंत हुए। उद्यम को बढ़ावा दिया गया। बांग्ला देश आर्थिक रूप से तरक्की करने लगा और इसके साथ लोगों का जीवन स्तर भी सुधरा। विकास के अधिकांश पैमानों पर देश की स्थिति सुधरने लगी -मानव एवं वित्तीय दोनों पर। ठीक इसी समय, अस्थिरता बनाने वाली बाहरी और अंदरूनी ताकतें पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी और चरमपंथी इस्लामिक संगठनों के दिशा-निर्देशों पर अपने काम में लगी रहीं।

रक्षाबंधन पर घरवालों का जीतना है दिल तो बनाएं पिस्ता कुल्फी

रक्षाबंधन का त्योहार हर किसी के लिए बेहद खास होता है। इस दिन बहनें अपनी भाईयों को खुशी-खुशी राखी बांधती हैं और उन्हें उसके बदले में रक्षा के वचन के साथ-साथ कई तोहफे मिलते हैं। इस दिन को और खास बनाने के लिए लोग अपने घरों में कई तरह के पकवान बनाते हैं। खुशियों के इस त्योहार को सेलिब्रेट करने के लिए लोग बाजार से मिठाईयां लाते हैं। बहुत से लोगों को ज्यादा मिठाईयां नहीं पसंद तो वो आइसक्रीम लाते हैं। बाजार में मिलने वाली आइसक्रीम में कई तरह के केमिकल मिले होते हैं। घर पर ही मजेदार पिस्ता कुल्फी बनाना बेहद आसान है। अगर आप घर पर पिस्ता कुल्फी तैयार करेंगे तो इसे खाकर हर कोई खुश हो जाएगा।

सामग्री

दूध फुल क्रीम 1 लीटर
चीनी आधा कप
केसर एक छोटा चम्मच
हरी इलायची चार से पांच
बादाम 10 से 15
पिस्ता कटे हुए 3 बड़े चम्मच।

विधि

कुल्फी बनाने के लिए सबसे पहले एक लीटर दूध को एक बर्तन में डालकर उबाल लें। इसे तब तक उबालना है, जब तक ये आधा ना हो जाए। जब ये गाढ़ा हो जाएगा तो इसका रंग बदलना शुरू हो जाएगा। जब दूध गाढ़ा हो जाए तो इसमें चीनी और केसर के धागे डालकर 4 से 5 मिनट के लिए चलाएं। दूध लगातार चलाने के बाद इसमें हरी इलायची का पाउडर डालकर गैस बंद कर दें। इसी दौरान कटे हुए पिस्ता दूध में डालें। अगर आप कुल्फी में मेवे डालना चाहते हैं तो दूध में अब कटे हुए मेवे डाल दें। इसके बाद दूध को ठंडा करके इसे कुल्फी के सांचे में डाल दें। अब सही तरह से सांचे को फ्रिज में जमने के लिए रख दें। 4 से 5 घंटे जमने देने के बाद कुल्फी को चेक करें। जब ये अच्छे से जम जाए तो इसे निकाल कर परोसें। आप चाहें तो कुल्फी के ऊपर पिस्ता रखकर उसे सजा सकते हैं।

भैया को करना है खुश तो बनाएं गुलाब जामुन

त्योहार कोई सा भी हो, उसके आने के कई दिन पहले से ही बाजारों में रौनक दिखने लगती है। हर त्योहार से पहले महिलाएं जमकर खरीदारी करने बाजार पहुंचती हैं। अगर बात करें इस महीने के त्योहार की तो अगस्त के अंत में रक्षाबंधन का त्योहार आने वाला है। राखी के इस त्योहार पर लड़कियां अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं। ये काफी पावन त्योहार माना जाता है। ऐसे में इस दिन सभी घरों में तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं। खाने के साथ-साथ महिलाएं अपने घरवालों और खासतौर पर भाई के लिए मिठाई तैयार करती हैं। ऐसी मिठाई जिसे खाना हर किसी को पसंद आता है। इसके साथ ही इसे बनाना काफी आसान है। हम बात कर रह रहे हैं गुलाब जामुन की, इसे आप आसानी से अपने घर पर बना सकती हैं।

सामग्री

खोया यानी मावा- 1 कप
चीनी-4 कप
इलायची-3-4
पानी-3 कप
बेकिंग सोडा-1 चुटकी
ड्राई फ्रूट्स- जरूरत के मुताबिक
घी-2 कप

विधि

अगर आप घर पर गुलाब जामुन बनाना चाहती हैं तो सबसे पहले मावे को अच्छे से मैश कर लें। इस मैश किए हुए मावे में बेकिंग सोडा मिलाकर एक डो तैयार करें। इसके बाद इस डो को मुलायम करने के लिए दो बूंद घी डालें। डो तैयार करते वक्त ये ध्यान रखें कि ये ज्यादा टाइट ना हो। इसके बाद अब इस डो से अपने हिसाब से गुलाब जामुन तैयार कर लें। अब कढ़ाई में घी डालें और उसे सही से गर्म करें। एक बार घी को सही से गर्म करके गैस धीमी कर दें और गुलाब जामुन को इसमें डाल दें। जब ये तैयार हो रहे हैं, तब तक गुलाब जामुन की चाशनी तैयार करें। चाशनी तैयार करने के लिए पानी और चीनी को मिलाकर पकाएं। खूशबू के लिए इसमें इलायची पाउडर डाल दें। जब गुलाब जामुन सही से सुनहरे हो जाएं तो इसे निकालकर चाशनी में डाल दें। कुछ समय बाद गुलाब जामुन को चाशनी से निकालकर इस पर मेवे डालें और गर्मागर्म ही परोसें।

हंसना मना है

एक लड़का अपनी आयु के हिसाब से कुछ अधिक ही होशियार था। एक दिन वह लाइब्रेरी से 'बच्चों का पालन-पोषण की पुस्तक लाया।' मां ने पूछा-'क्यों मुन्ने, इस पुस्तक का आप क्या करोगे? मुन्ना बोला-'मैं इसे पढ़कर ये जानना चाहता हूं कि मेरा पालन-पोषण उचित ढंग से किया जा रहा है की नहीं।'

दो शेर जंगल में बैठे थे, पास से एक खरगोश गुजरा, आहट सुनकर एक शेर ने दूसरे से पूछा-क्या है? कुछ नहीं, फास्ट फूड है!

रमेश पैराशूट बेच रहा था, हवाई जहाज से कूदो, बटन दबाओ और जमीन पर सुरक्षित पहुंच जाओ, ग्राहक- अगर पैराशूट नहीं खुला तो, रमेश- तो पैसे वापिस?

गांव की एक लड़की से कंप्यूटर क्लास में पूछा गया- डाटा क्या होता है? लड़की बोली so simple.. तेल की शीशी के ढक्कण को डाटा कहते हैं?

कहानी — मृत्यु एक अटल सत्य है

राधेश्याम स्वभाव का बड़ा ही शांत एवम सुविचारों वाला व्यक्ति था। उसके परिवार में माता-पिता, पत्नी एवम दो बच्चे थे। सभी से वो बेहद प्यार करता था। इसके अलावा वो कृष्ण भक्त था और सभी पर दया भाव रखता था। जरूरतमंद की सेवा करता था। राधेश्याम अपने कृष्ण को देख भी सकता था और बाते भी करता था। इसके बावजूद उसने कभी ईश्वर से कुछ नहीं मांगा। राधेश्याम कृष्ण को अपने मित्र की तरह ही पुकारता था और उनसे अपने विचारों को बांटता था। एक दिन राधेश्याम के पिता की तबियत अचानक ख़राब हो गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया। उसने सभी डॉक्टर्स के हाथ जोड़े। अपने पिता को बचाने की मिन्नते की। लेकिन सभी ने उससे कहा कि वो ज्यादा उम्मीद नहीं दे सकते। तभी राधेश्याम ने कृष्ण को पुकारा। कृष्ण दौड़े चले आये। राधेश्याम ने कहा- मित्र! तुम तो भगवान हो मेरे पिता को बचा लो। कृष्ण ने कहा- मित्र! ये मेरे हाथों में नहीं हैं। अगर मृत्यु का समय होगा तो होना तय हैं। इस पर राधेश्याम नाराज हो गया और कृष्ण से लड़ने लगा, भगवान् ने उसे बहुत समझाया पर उसने एक ना सुनी। कृष्ण ने कहा- मैं तुम्हारी मदद कर सकता हूं लेकिन इसके लिए तुम्हें एक कार्य करना होगा। कैसा कार्य? कृष्ण ने कहा- तुम्हें किसी एक घर से मुट्ठी भर ज्वार लानी होगी और ध्यान रखना होगा कि उस परिवार में कभी किसी की मृत्यु न हुई हो। राधेश्याम ने कई दरवाजे खटखटाए। हर घर में ज्वार तो होती लेकिन ऐसा कोई नहीं होता जिनके परिवार में किसी की मृत्यु ना हुई हो। दो दिन तक भटकने के बाद भी राधेश्याम को ऐसा एक भी घर नहीं मिला। तब उसे अहसास हुआ कि मृत्यु एक अटल सत्य है। इससे कोई नहीं भाग सकता। और वो अपने व्यवहार के लिए कृष्ण से क्षमा मांगता हैं और निर्णय लेता हैं जब तक उसके पिता जीवित हैं उनकी सेवा करेगा। थोड़े दिनों बाद पिता स्वर्ग सिधार जाते हैं। उसे दुःख तो होता हैं लेकिन ईश्वर की दी उस सीख के कारण उसका मन शांत रहता हैं। दोस्तों इसी प्रकार हम सभी को इस सच को स्वीकार करना चाहिये कि मृत्यु एक अटल सत्य हैं उसे नकारना मुर्खता हैं। दुःख होता हैं लेकिन उसमें फंस जाना गलत, केवल आप ही उस दुःख से पीढ़ित नहीं हैं अपितु सम्पूर्ण मानव जाति उस दुःख का सामना करती ही है। ऐसे सच को स्वीकार कर आगे बढ़ना ही जीवन है। कई बार हम अपने किसी खास के चले जाने से इतने बेबस हो जाते हैं कि सामने खड़ा जीवन और उससे जुड़े लोग हमें दिखाई ही नहीं पड़ते।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
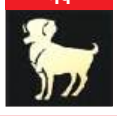
सही काम का भी विरोध होगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। कोई बड़ी समस्या बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नई योजना बनेगी।

वृषभ

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

मिथुन
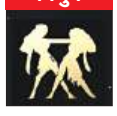
कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे।

कर्क

प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।

सिंह

भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी।

कन्या

शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा।

तुला

शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे।

वृश्चिक

पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु
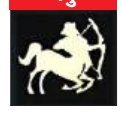
किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

मकर

कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें।

कुम्भ

मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है या समय पर नहीं मिलेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मीन

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

आज के आदमी को मर्द नहीं बनना : सलमान खान

बॉलीवुड की फेमस राइटर जोड़ी जावेद अख्तर और सलीम खान की कहानी पर्दे पर दिखाई जाने वाली है। एंग्री यंग मेन के नाम से एक डॉक्यूमेंट्री सीरीज का ऐलान कुछ दिन पहले हुआ था, जिसका ट्रेलर भी अब रिलीज हो गया है। इसमें सलीम-जावेद की जोड़ी के बनने, टूटने और साथ मिलकर बेहतरीन फिल्मों को लिखने की गाथा दिखाई जाएगी। इसके ट्रेलर लॉन्च इवेंट में सलमान खान भी पहुंचे थे। इस दौरान सुपरस्टार ने मर्दों को लेकर बात की। सलीम-जावेद ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को एंग्री यंग मेन का कॉन्सेप्ट दिया था। अब इसी नाम से उनकी डॉक्यूमेंट्री सीरीज आ रही है। सीरीज के ट्रेलर लॉन्च पर सलमान खान ने कहा, बहुत से राइटर लिखते हैं। सलीम-जावेद सोचते हैं, अपने लाइफ एक्सपीरिएंस को डालते हैं, अपने आसपास के लोगों से क्या सीखा वो डालते हैं, क्या उन्होंने देखा, उनके मां-बाप ने उन्हें क्या सिखाया था, जिस तरह उनके बच्चे बड़े हुए हैं, उन्होंने अपनी जिंदगी में जी हुई चीजों को लिया है और उससे सिनेमा बनाया है। दूसरे राइटर सिनेमा से सीखते हैं और फिर उसे सिनेमा में ही डाल देते हैं। एक्टर ने आगे कहा, भगवान मर्दों को बनाता है, लेकिन आदमी मर्द बना नहीं रहना चाहता। वो बहुत मर्दों को बनाता है। लेकिन ये पीढ़ी ये मर्द बनी रहना नहीं चाहती। ये दोनों, मेरे पिता और जावेद साहब मर्द हैं। ये अभी भी मर्द हैं। ये मर्द बनना चाहते हैं। सलमान खान की इस बात को सुनकर जावेद अख्तर काफी खुश हो गए थे। उन्होंने खुशी से हवा में पंच मारा। इंडस्ट्री में सलीम-जावेद ने साथ मिलकर 24 फिल्में लिखीं, जिनमें से 22 हिट साबित हुईं। इसमें दीवार, जंजीर, सीता और गीता, हाथी मेरे साथी और शोले संग अन्य शामिल हैं। वो सलीम और जावेद ही थे, जिन्होंने इंडस्ट्री में राइटर्स को भी फिल्मों में क्रेडिट देने का चलन शुरू किया। इस दमदार जोड़ी को नाम, पैसा, शोहरत और रुतबा। सब मिला। हालांकि वो दिन भी आया, जब ये जोड़ी टूट गई। एंग्री यंग मेन डॉक्यूमेंट्री सीरीज 20 अगस्त को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

मनु भाकर ने चंदू चैंपियन देख की कार्तिक आर्यन की तारीफ, बोलीं-

इसके लिए उन्हें मैडल मिलना चाहिए

बॉलीवुड स्टार कार्तिक आर्यन की पिछली फिल्म चंदू चैंपियन को खूब तारीफ मिली थी। क्रिटिक्स ने फिल्म के स्टोरीटेलिंग के साथ-साथ कार्तिक के काम को भी बहुत पसंद किया था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म कुछ कमाल नहीं दिखा पाई थी और फ्लॉप हो गई थी। मगर अब चंदू चैंपियन को एक ऐसी तारीफ मिली है कि कार्तिक को बिल्कुल फिल्म ब्लॉकबस्टर हो जाने वाली फीलिंग आई होगी। हाल ही में खत्म हुए पेरिस ओलंपिक में, डबल मैडल जीतकर इतिहास रचने वालीं भारतीय शूटर मनु भाकर ने चंदू चैंपियन देखी और जितना मैंने सोचा था, ये फिल्म उससे भी ज्यादा रिलेटेबल निकली। तैयारियां, स्ट्रगल्स, नाकामियां। लेकिन कभी हार न मानना। इस रोल को इतने एफर्टलेस तरीके से निभाने के लिए कार्तिक आर्यन को हैट्स ऑफ। खुद एक एथलीट होने के नाते, मुझे पता है कि ये आसान नहीं है। खासकर प्रेप का सीक्वेंस। आपको इसके लिए मैडल मिलना चाहिए! मनु भाकर की तारीफ पर कार्तिक ने रियेक्ट भी किया। उन्होंने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर मनु का आभार व्यक्त करते हुए, उनकी तारीफ को शेयर किया। कार्तिक ने लिखा, वाओ! थैंक्यू मनु भाकर। ऐसे मोमेंट मैं हमेशा संभाल कर रखूंगा, जब आप जैसे रियल चैंपियन हमारी मेहनत के फल की तारीफ करते हैं! हर भारतीय को गर्व महसूस करवाने के लिए चंदू चैंपियन की तरफ से आपको प्यार और आभार। मनु ने पेरिस ओलंपिक्स 2024 में महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में ब्रॉन्ज मैडल जीता है।

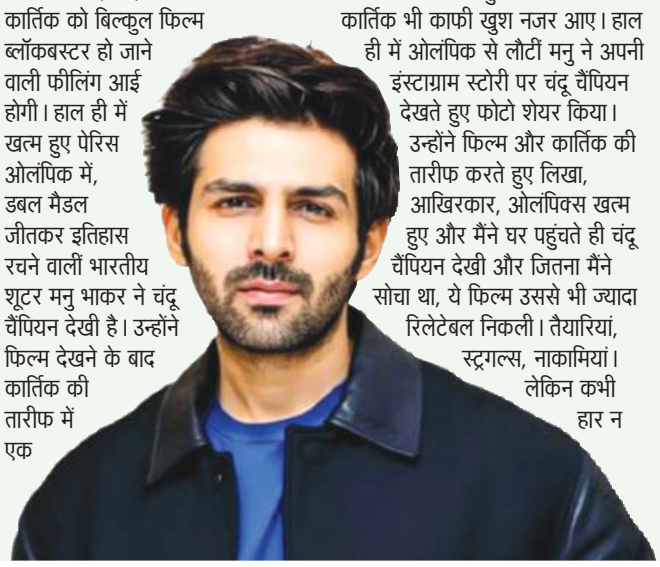

पोस्ट भी लिखा। मनु की तारीफ से कार्तिक भी काफी खुश नजर आए। हाल ही में ओलंपिक से लौटीं मनु ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर चंदू चैंपियन देखते हुए फोटो शेयर किया। उन्होंने फिल्म और कार्तिक की तारीफ करते हुए लिखा, आखिरकार, ओलंपिक्स खत्म हुए और मैंने घर पहुंचते ही चंदू चैंपियन देखी और जितना मैंने सोचा था, ये फिल्म उससे भी ज्यादा रिलेटेबल निकली। तैयारियां, स्ट्रगल्स, नाकामियां। लेकिन कभी हार न

6 सितंबर को रिलीज होगी इमरजेंसी

कंगना रनौत की बहुप्रतीक्षित फिल्म इमरजेंसी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। कंगना रनौत निर्देशित फिल्म 6 सितंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कंगना रनौत की ये फिल्म इमरजेंसी के दौर के घटनाक्रम पर आधारित है। इमरजेंसी फिल्म में कंगना रनौत इंदिरा गांधी के रोल में हैं जबकि अनुपम खेर को जयप्रकाश नारायण, श्रेयस तलपदे को अटल बिहारी वाजपेयी, अशोक छाबड़ा को मोरारजी देसाई, महिमा चौधरी को पुपुल जयकर जो इंदिरा गांधी की करीबी सहयोगी थीं, के किरदारों में देखा जा सकेग। फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के रोल में मिलिंद सोमन हैं, संजय गांधी के रोल में विशाक नायर और जगजीवन राव के रोल में सतीश कौशिक को देखा जा सकेगा। इमरजेंसी ट्रेलर रिलीज से पहले कंगना रनौत ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर की थी, जिसमें लिखा था, फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने के विचार की अवधारणा से लेकर, फिल्म निर्माता होने से ज्यादा संतुष्ट करने वाला कुछ नहीं है। आज एक बहुत ही खास दिन है, मेरे निर्देशन में बनी इमरजेंसी के ट्रेलर लॉन्च पर इमरजेंसी का सफर मुझसे आप तक शुरू होता है। मुझे इससे ज्यादा खुशी नहीं हो सकती कि मेरा एक हिस्सा मेरे जाने के बाद भी दुनिया में जिंदा रहेगा। आप सभी के लिए खुद को आगे बढ़ाकर खुश हूं, आप सभी का हिस्सा बनने का इंतजार कर रही हूं, कहानी सुनाने से ज्यादा शानदार कुछ नहीं है। दर्शकों को अपने मन और भावनाओं में प्रवेश करने देने और उनके साथ अपनी धारणा साझा करने से ज्यादा अंतरंग कुछ नहीं है। एक कहानीकार के रूप में मेरी दुनिया में आपका स्वागत है। इमरजेंसी, 6 सितंबर 2024 को। कंगना रनौत के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी आखिरी रिलीज 2023 की तेजस थी। इसमें कंगना रनौत फाइटर पायलट के रोल में थीं। इसके अलावा उनकी तमिल फिल्म चंद्रमुखी 2 भी आई थी। 2022 में कंगना रनौत ने बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू किया था। फिल्म का नाम टीकू वेड्स शेरू था।

कंगना ने रिलीज किया फिल्म का ट्रेलर

अजब-गजब | रशियन गर्ल की आंखों में X-Ray विजन

देख सकती है शरीर के अंदर

दुनियाभर में कई ऐसे लोग हैं, जो अद्भुत शक्तियों के मालिक हैं। इनमें से कोई पूरा का पूरा हवाई जहाज खा लेता है और उसके शरीर को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है, तो किसी का शरीर चुंबक जैसा होता है, जिससे लोहे की चीजें अपने आप चिपक जाती हैं। ऐसी ही एक शख्स रशियन गर्ल नताशा डेमकिना हैं, जो अब 37 साल की हैं। नताशा को लेकर ऐसा दावा किया जाता है कि उनकी आंकों में X-Ray विजन है। यानी कि वो अपनी खुली आंखों से किसी के भी शरीर के अंदर देख सकती हैं और बीमारियों को पहचान सकती हैं। हालांकि, नताशा ने जब एक्सरे विजन का दावा किया तब उनकी बातों पर किसी को यकीन नहीं था, लेकिन बाद में धीरे-धीरे लंदन, न्यूयॉर्क और जापान के डॉक्टर और वैज्ञानिकों ने उसके इस प्रतिभा पर सहमती व्यक्त कर दी। नताशा ने एक बार कहा था कि मैं जो भी देखती हूं, उसे समझने में थोड़ा समय लेती हूं। मैं एक्सरे की तरह ज्यादा तेजी से काम नहीं करती, लेकिन बीमारी की सही पहचान कर लेती हूं। नताशा ने यह भी दावा कि वो किसी बीमारी के शुरुआती स्टेज को भी पहचान जाती हैं, जिसे चिकित्सक भी जल्द नहीं पकड़ पाते। नताशा की माने तो 10 साल की उम्र तक वो एक सामान्य बच्ची थीं, तब तक उनके अंदर X-Ray विजन नहीं था। लेकिन बाद उनके अंदर ये गुण आने शुरू हो गए। डॉक्टर नताशा के एक्सरे विजन की बार-बार परीक्षा लेते और वे उसकी

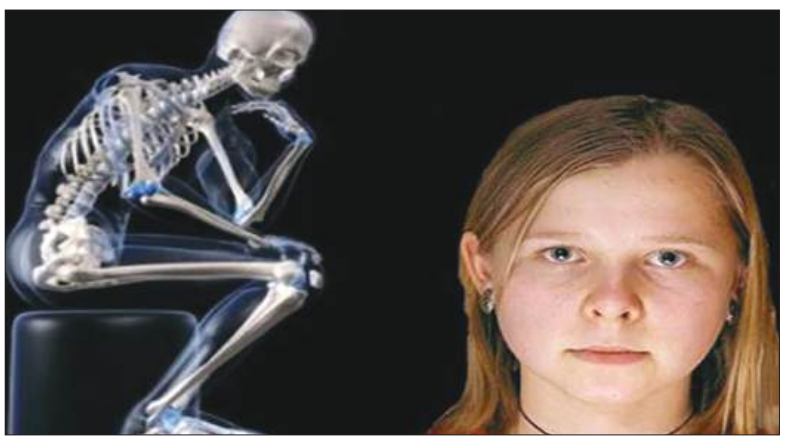

पहचान कर उन्हें गलत साबित करतीं। डॉक्टरों ने एक बार नताशा को कृत्रिम घुटने को पहचानने के लिए कहा, जिसे उन्होंने पहचान लिया। इसके बाद कई बार उनका टेस्ट लिया गया, वो सफल हुईं। लेकिन एक बार उनके एक्सरे विजन पर सवाल खड़े हो गए। दरअसल, वैज्ञानिकों की एक टीम ने नताशा को लेकर टेस्ट प्लान किया। साइंटिस्ट ने ऐसे 6 लोगों को चुना, जिनके शरीर में कोई न कोई दिक्कत थी। उन तमाम समस्याओं को एक पेपर पर लिखा गया। फिर उनकी तस्वीरें नताशा को दी गईं और पूछा गया कि उन फोटोज को देखकर बताएं कि वो प्रॉब्लम किस शख्स से जुड़ी है। वैज्ञानिकों को लगा कि नताशा इस टेस्ट को चुटकी में हल कर देंगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इंसान और उसकी समस्या को वो मैच करने में असफल रही हैं। कुल 6 लोगों में से 4 लोगों की समस्या को नताशा ने बिल्कुल सही बताया, लेकिन 2 लोगों की प्रॉब्लम को पहचानने में फेल हो गईं। इसके बाद वैज्ञानिकों ने कहा कि नताशा के पास कोई एक्सरे विजन नहीं है, वो सिर्फ अंदाजा लगाकर समस्या बतलाती हैं। हालांकि, इस टेस्ट में भी नताशा 6 में से 4 लोगों की समस्या को पहचान गई थीं। ऐसे में ज्यादातर लोगों को नताशा की एक्सरे विजन पर यकीन है।

यहां होती है विचित्र प्रतियोगिता, पानी में सांपों के बीच ढूंढने होते हैं अजगर

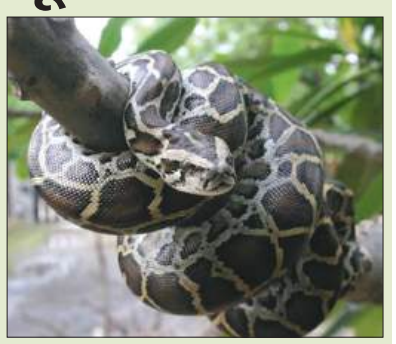

दुनिया में एक जगह ऐसी भी है जहां लोगों के बीच एक खास तरह की प्रतियोगिता होती है, यहां पानी भरे इलाकों में सांपों की भरमार होती है, लेकिन प्रतियोगिता केवल अजगर खोजने की होती है, और उन्हें मारना भी होता है। अमेरिका के फ्लोरिडा में यह प्रतियोगता साल में एक ही बार होती है। फ्लोरिडा अपने विचित्र नागरिकों और असाधारण विचित्रताओं के लिए दुनिया भर में जाना जाता है, लेकिन सांपों से भरे पानी से अजगरों को निकालने की इसकी विचित्र प्रतियोगिता सनशाइन स्टेट की सबसे अजीब परंपराओं में से एक के रूप में जानी जाएगी। हर अगस्त में फ्लोरिडा और उसके बाहर के प्रतिभागी सालाना पायथन चैलेंज में भाग लेते हैं, जहां लोग खतरनाक सांपों को पकड़ने और उन्हें मारने के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। शुक्रवार 9 अगस्त से 18 अगस्त को शाम 5 बजे (स्थानीय समय) तक सैकड़ों प्रतिभागी अपने दिल की इच्छा के अनुसार अजगरों का शिकार कर सकते हैं। फ्लोरिडा मछली और वन्यजीव संरक्षण आयोग (एफडब्ल्यूसी) के अनुसार, बर्मीज अजगर सनशाइन स्टेट में एक आक्रामक प्रजाति है जो 19 फीट तक लंबी हो सकती है। वे विशाल एवरग्लेड्स वेटलैंड्स में और उसके आसपास पाए जाते हैं और देशी वेटलैंड्स के लिए खतरा पैदा करते हैं। बर्मीज अजगर सांप स्थानीय वन्यजीवों सहित पारिस्थितिकी तंत्र के लिए खतरा पैदा करते हैं। येबड़ी संख्या में प्रजनन कर सकते हैं और अंडे से लेकर छोटे हिरणों और मगरमच्छों तक कई तरह के जानवर खाते हैं। प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार 8 लाख 40 हजार रुपये का है, यह उसे दिया जाएगा जो सबसे ज्यादा अजगर हटाएगा। इसके बाद दो लाख दस हजार और 84 हजार रुपयों के बीच के पुरस्कार होंगे, प्रतिभागियों को खास तरह के नियमों का पालन करना होगा। यदि वे अमानवीय तरीके से अजगर को मारते हैं या किसी देशी सांप को हटाते हैं तो प्रतिभागियों को अयोग्य घोषित किया जा सकता है। अजगर को मारने का एक मानवीय तरीका पिथिंग तकनीक है जो उन्हें पीड़ा पहुंचाए बिना उनके मस्तिष्क को नष्ट कर देती है।

थानों की बोली लगेगी तो यही होगा : दिग्विजय

कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह के सरकारी बंगले पर चोरी

» भाजपा की मोहन सरकार पर बरसे पूर्व सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। बेटे जयवर्धन सिंह के बंगले पर चोरी की घटना के बाद दिग्विजय सिंह ने पुलिस और सरकार पर आरोप लगाते हुए ट्वीट कर लिखा कि जब थाने की पोस्टिंग की बोली लगती है तो यही होगा। पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह के शासकीय आवास पर भी चोरी हो गई। इधर चोरी की इस वारदात के बाद पुलिस की गश्ती पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि जिस इलाके में चोरी हुई है, यहां पर मंत्रियों से लेकर कई बड़े अधिकारी रहते हैं और शहर के सबसे ज्यादा वीवीआईपी इलाकों में चार इमली क्षेत्र गिना जाता है। ज्ञात हो कि बदमाश यहां से नकदी और जेवरात लेकर भागे हैं।

बताया जा रहा है कि पुलिस एक शख्स से पूछताछ कर रही है। इस मामले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भी पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीर भी जारी की है। शिकायत के बाद मौके पर पड़ताल करने पहुंचे हबीबगंज थाने के थाना प्रभारी अजय कुमार सोनी ने कहा कि ये घटना दो दिन पहले की है। जानकारी लगते ही हमारी टीम मौके पर पहुंच गई थी। फोरेंसिक साइंस लैब की टीम भी वहां पहुंची। टीम ने घटनास्थल से फिंगर प्रिंट भी लिए। कुछ सीसीटीवी फुटेज हमारे पास हैं। उनके आधार पर कुछ संदिग्ध लोग दिखाई दिए हैं। उनकी पहचान की जा रही है। जिस चार इमली में चोरी की वारदात हुई है, उसी कॉलोनी में प्रदेश के डीजीपी और मुख्य सचिव सहित उप मुख्यमंत्री, कई कैबिनेट मिनिस्टर और कई विभागों के अपर मुख्य सचिव सहित तमाम आईएएस, आईपीएस व नेतागण रहते हैं। जानकारी के अनुसार अभी किसी को हिरासत में नहीं लिया है, लेकिन संदिग्धों से पूछताछ की जाएगी। यह चोरी पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह के ऑफिस में हुई है। टीआई ने महज 12 हजार कैश चोरी जाने की पुष्टि की है। इसके अलावा और कोई सामान चोरी नहीं हुआ है। मामले की जांच की जा रही है।

भाजपा जा रही, कांग्रेस आ रही है : भूपेंद्र हुड्डा

पूर्व सीएम बोले- किसी में नहीं संविधान बदलने की शक्ति

रोहतक। संविधान बदलने की शक्ति किसी में नहीं है। यह अधिकार केवल जनता को है। चुनाव में आवाज उठी थी। हमें 400 सीट दो। संविधान बदलेंगे। देश की जनता ने संविधान नहीं बदलने दिया। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने आजादी दिलाई। संविधान व प्रजातंत्र दिया। समानता व नागरिक आजादी दी है। सरकार प्रजातंत्र में किसी की बनें, मगर संविधान बदलने का अधिकार किसी को नहीं है। यह कहना है पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। वे वीरवार को शहर में प्रभातफेरी के बाद आंबेडकर चौक स्थित कांग्रेस भवन में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए पूर्व सीएम ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी हमारे सम्माननीय हैं। उन्हीं की बदौलत हम आजाद देश में अपना स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चल कर देश को उन्नति की ओर ले जाना चाहिए। उनके दिए संविधान का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रजातंत्र में जनता से जो जिम्मेदारी वह निभा रहे हैं। टीस इस बात की है कि वर्ष 2014 में सरकार छोड़ी। उस समय प्रदेश प्रतिव्यक्ति आय, निवेश, कानून व्यवस्था, रोजगार, खेल में नंबर एक था। अब कहां पहुंच गए। हम बेरोजगारी, अपराध, भ्रष्टाचार में नंबर एक हो गए हैं। खेल में देश का मान बढ़ाने वाली पहलवान बेटियों को जंतर मंतर में घसीटा गया। अब तक उन्हें न्याय नहीं मिला है।

उन्होंने कहा कि जब हमने सरकार छोड़ी तो प्रदेश में कर्जा था 70 हजार करोड़ रुपये। इसमें हमने चार पावर प्लांट लगाए। न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाया। हरियाणा की शिक्षा का स्तर बढ़ाया। इन्होंने कुछ किया हो तो बताएं। अब यह कर्जा साढ़े चार लाख करोड़ रुपये है। प्रदेश में पैदा होने वाला हर बच्चा लाखों रुपये कर्जा लेकर पैदा हो रहा है। प्रदेश में घूमा हूं। लोगों ने संकेत दे दिए हैं, कांग्रेस की सरकार बनेगी। भाजपा जा रही है, कांग्रेस आ रही है। यही नारा है। यही आपकी जिम्मेदारी भी है। मिल कर प्रयास करें। कांग्रेस प्रदेश में सरकार बनाएगी।

विद्या मंदिर में पूरे उत्साह से मनाया गया 15 अगस्त का समारोह

» मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल तथा धनराशि देकर किया गया पुरस्कृत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज सरस्वती शिशु/ विद्या मंदिर इंटर कॉलेज निराला नगर लखनऊ में 78वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप मंत्र के साथ हुई तथा इस कार्यक्रम में गौरव मल्होत्रा (अध्यक्ष, अधिवक्ता उच्च न्यायालय) और मुख्य अतिथि संतोष सिंह सदस्य विधान परिषद उत्तर प्रदेश), विद्यालय के प्रबंधक शैलेंद्र शर्मा, विद्यालय के कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल, आरएमएल पैथोलॉजी के अध्यक्ष संजय मल्होत्रा तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य रामतीर्थ वर्मा उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में हाई स्कूल तथा इंटर के मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल तथा धनराशि देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के भैया बहनों ने बहुत सारे देशभक्ति से भरपूर रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये, अतिथि परिचय प्रधानाचार्य जी ने तथा आभार प्रबंधक ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन जय घोष के नारों तथा वंदे मातरम के साथ संपन्न हुआ तत्पश्चात सभी भैया बहनों को एवं अभिभावकों को प्रसाद वितरण किया गया।

हर बात पर पंजाब को कोसना ठीक नहीं: मान

» सीएम बोले- यूपी और हरियाणा में कानून व्यवस्था के हालात ज्यादा बदतर

» एनएचएआई मामले में सियासत तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) प्रोजेक्टों को लेकर अब सियासत गर्माने लगी है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार को करीब पौने तीन साल हो गए हैं। इस बीच प्रदेश के किसी भी जिले या कस्बे में दंगा या कर्फ्यू नहीं लगा। हरियाणा के नूंह में चार महीने तक कर्फ्यू रहा और यूपी में भी यही हालात हैं।

सीएम ने कहा कि पंजाब को लेकर कोई भी बात होती है तो हर बात में लॉ एंड ऑर्डर को लेकर सवाल उठाए जाते हैं। मान का इशारा एनएचएआई प्रोजेक्ट मामले में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की ओर से बीते दिनों प्रदेश के लॉ एंड ऑर्डर का हवाला देते हुए लिखी चिट्ठी की ओर था। सीएम ने कहा कि जालंधर और लुधियाना में दो मामले सामने आए थे, दोनों में ही एनएचएआई के अधिकारियों और ठेकेदारों के बीच का आपसी विवाद था। वहीं, एनएचएआई के प्रोजेक्ट को सिरे चढ़ने में जहां किसानों को लेकर विरोध की जो बात सामने आ रही है। वहीं स्वतंत्रता दिवस पर सीएम भगवंत मान ने बुलेटप्रूफ ग्लास शील्ड के पीछे से लोगों को संबोधित किया था। इसको लेकर विरोधी दल के नेताओं ने सीएम पर निशाना साधा है। पीपीसीसी प्रधान अमरिंदर वडिंग, पूर्व मंत्री परगट सिंह व विधायक सुखपाल खैरा ने कहा है कि चुनाव से पहले सीएम मान कहते थे कि अगर लोगों के बीच जाने से डर लगता है तो मुर्गीखाना खोल लेना चाहिए। अब सीएम मान खुद डर रहे हैं।

पंजाब की जमीन का मूल्य ओडिशा और बिहार की तर्ज पर नहीं लगाया जा सकता

सीएम ने कहा कि केंद्र और एनएचएआई के अधिकारियों को यह बात समझने की जरूरत हैं कि पंजाब की जमीन का मूल्य ओडिशा और बिहार के जमीन के तर्ज पर नहीं लगाया जा सकता। ओडिशा और बिहार में पांच लाख रुपये का एकड़ हैं तो पंजाब में 50 लाख का। सीएम ने कहा कि जो किसान विरोध कर रहे हैं उनको समझाकर उनकी समस्या का हल करने का प्रयास किया जा रहा है।

बिजली पासी महाविद्यालय में धूमधाम से मना स्वतंत्रता दिवस

» एनसीसी के कैडेट्स ने मार्च पास्ट से बांधा समा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत 15 अगस्त 2024 को महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस का पावन पर्व बड़े धूमधाम एवं उल्लास से मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस की 78वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के गायन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर एनसीसी के कैडेट्स द्वारा मार्चपास्ट प्रस्तुत किया गया। समारोह में एपएसएस एवं रोवर्स रेंजर्स के छात्रों एवं स्वयंसेवियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की समारोह का डॉ सनोबर हैदर द्वारा निदेशक उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश के संदेश का वाचन किया गया, जिसमें उनके द्वारा उच्च शिक्षा ही दिशा में विभाग की उपलब्धियों, अमर शहीदों के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए छात्र छात्रों एवं महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रवक्ताओं एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाइंया प्रेषित कीं । कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रांगण से लेकर स्मृति प्लाजा चौराहे तक प्रभात फेरी का भी आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, लखनऊ, डॉ सुधीर कुमार,प्राचार्य प्रोफेसर सुमन गुप्ता समस्त प्राध्यापक गण एवं कर्मचारी गण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को मिष्ठान वितरण किया गया।

छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीतों से भरा जोश

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किये। महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यापक डॉ दिग्विजय सिंह ने अपने वैदुष्यपूर्ण वक्तव्य में स्वतंत्रता दिवस के महत्व के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में महाविद्यालय की यशस्वी प्राचार्या ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को स्वाधीनता, आत्मनिर्भरता तथा कार्य कुशलता के प्रति जागरूक एवं सजग रहने हेतु प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने अनेक वीरांगनाओं की साज- सज्जा के साथ भारत माता की झांकी प्रस्तुत की।

फोटो :4 पीएम

धरना कोलकाता की घटना को लेकर लखनऊ केजीएमयू के रेजिडेंट डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। केजीएमयू के गेट नंबर 2 पर विरोध प्रदर्शन किया गया। आज के प्रदर्शन में रेजिडेंट डॉक्टर के साथ फैकल्टी मेंबर टीचर भी हुए शामिल हुए। डॉक्टरों के प्रदर्शन के चलते स्वास्थ्य सेवाएं लगातार हो रही प्रभावित, तीमारदार और मरीज हो रहे परेशान, अस्पतालों में पसरा रहा सन्नाटा।

श्रद्धांजलि अवंती बाई लोधी की जयंती के अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने हजरतगंज स्थित वीरांगना की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पितकर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पार्टी के कई कार्यकर्ताओं ने भी विरांगना को नमन किया। इस मौके पर पूर्व सीएम ने विरांगना अवंती बाई की बहादुरी का बखान भी किया। उन्होंने राज्य में महिलाओं को आगे बढ़ने का आवाहन किया। ज्ञात हो कि विरांगना अवंती बाई ने अपनी बहादुरी से अंग्रेजी सरकार के छक्के छुड़ा दिये थे। इस दौरान सपा प्रमुख ने कार्यकर्ताओं से एकजुट हो हर मुद्दे पर प्रखर होने को भी कहा।

देश का लोकतंत्र जेल में कैद है: मनीष सिसोदिया

» सीएम केजरीवाल को दी जन्मदिन की बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का शुक्रवार (16 अगस्त) को जन्मदिन है। तिहाड़ जेल में बंद अरविंद केजरीवाल आज 56 साल के हो गए। इस मौके पर आप नेता मनीष सिसोदिया ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट कर सीएम केजरीवाल को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के रूप में आज देश का लोकतंत्र जेल में कैद है।

मनीष सिसोदिया ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा, देश में चल रही तानाशाही के खिलाफ सबसे कठिन लड़ाई लड़ने वाले दिल्ली के मुख्यमंत्री, मेरे परम् प्रिय मित्र और राजनैतिक गुरु अरविंद केजरीवाल को जन्मदिन की बहुत बहुत शुभकामनाए। देश में चल रही तानाशाही के खिलाफ सबसे कठिन लड़ाई लड़ने वाले दिल्ली के मुख्यमंत्री, मेरे परम् प्रिय मित्र और राजनैतिक गुरु, केजरीवाल जी को जन्मदिन की बहुत बहुत शुभकामनाएं। हमें गर्व है कि हम एक ऐसे देशभक्त और क्रांतिकारी नेता के सिपाही हैं जिसने तानाशाह के सामने घुटने नहीं अेके। आप ने आगे लिखा, हमें गर्व है कि हम एक ऐसे देशभक्त और क्रांतिकारी नेता के सिपाही हैं, जिसने तानाशाह के सामने घुटने टेकने के बजाय जेल जाना चुना। अरविंद केजरीवाल के रूप में आज देश का लोकतंत्र जेल में कैद है।

महाराष्ट्र में विस चुनाव के लिए माथापच्ची शुरू

महायुति व महाविकास अघाड़ी में सीट बंटवारे पर चल रही बातचीत

» चुनाव की अटकलें तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए तैयारी जोरो पर ल रही है। इसी के मद्देनजर अजित पवार व उद्धव ठाकरे ने कमर कसना शुरू कर दिया है। एनसीपी अजित पवार गुट ने कहा कि सत्ताधारी महायुति गठबंधन के सहयोगियों एनसीपी, शिवसेना और भाजपा के बीच सीट बंटवारे की बातचीत सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रही है। गौरतलब है कि अजित पवार और उनके करीबी कुछ विधायकों ने पिछले साल जुलाई में शरद पवार की पार्टी से नाता तोड़कर भाजपा-शिवसेना के गठबंधन में नाता जोड़ लिया था।

बाद में पार्टी का नाम एनसीपी और चुनाव चिन्ह भी अजित पवार को ही मिला। शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी एसपी विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी का हिस्सा है। महाविकास अघाड़ी में शरद पवार की एनसीपी एसपी के अलावा कांग्रेस और शिवसेना यूबीटी भी शामिल हैं। आगामी राज्य चुनावों के लिए सीट बंटवारे के बारे में बोलते हुए, पवार ने कहा कि उन्होंने शिवसेना का नेतृत्व करने वाले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र फड़नवीस से दो-तीन बार बात की है और सकारात्मक तरीके से बातचीत आगे बढ़ रही है। चुनाव आयोग 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है। महाराष्ट्र में अभी सत्तारूढ़ महायुति के पास 218 और विपक्षी महाविकास आघाडी के पास 78 सीटें हैं।

मैं हमेशा महाराष्ट्र के विकास के लिए सोचता हूं : अजित पवार

शरद पवार के साथ फिर से जुड़ने की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने कहा, मैं सिर्फ महाराष्ट्र के लिए अपने काम और विजन के बारे में बात करूंगा। हम लोगों से कहेंगे कि वे हमें फिर से मौका दें, ताकि हम राज्य के विकास के लिए और अधिक धन ला सकें। विपक्ष हमेशा नकारात्मक होता है।

कार्यकर्ताओं को स्वार्थ से ऊपर उठना होगा : उद्धव

उद्धव ठाकरे ने एमवीए की एक बैठक में कहा कि महा विकास अघाड़ी कार्यकर्ताओं को महाराष्ट्र के गौरव और सम्मान की रक्षा के लिए स्वार्थ से ऊपर उठना होगा। उनको केवल अपने राज्य का सोचना होगा। उद्धव ने आगे कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव राज्य के स्वाभिमान की रक्षा के लिए एक लड़ाई होगी। उद्धव ठाकरे ने बैठक में कहा कि वह कांग्रेस और एनसीपी (सपा) द्वारा एमवीए के सीएम चेहरे के रूप में घोषित किसी भी उम्मीदवार का समर्थन करेंगे। अब सवाल ये उठने लगा है कि क्या उद्धव आगामी महाराष्ट्र चुनाव में सीएम फेस नहीं होंगे।

अटल की छठी पुण्यतिथि पर दी गई पुष्पांजलि

» सभी राजनीतिक दलों और जनता ने पूर्व पीएम को दी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज अटलजी की छठी पुण्यतिथि है और इस अवसर पर जिस तरह सभी राजनीतिक दलों के लोग और जनता उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रही है और उनकी नीतियों, सिद्धांतों को याद करते हुए उनके भाषणों को सुना जा रहा है उससे प्रदर्शित हो रहा है कि अटलजी कहीं गये नहीं हैं वह तो हम सबके बीच सदैव अटल हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित 'सदैव अटल' जाकर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की छठी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी 'भारत रत्न' वाजपेयी को पुष्पांजलि अर्पित की। कई केंद्रीय मंत्रियों और सत्तारुढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के घटक दलों के नेताओं ने भी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया गया। हम आपको याद दिला दें कि वर्ष 2018 में आज ही के दिन दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में उनका लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था।

पूर्व पीएम ने आधुनिक भारत के निर्माण की नींव रखी : योगी

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद किया। इस मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि भारतीय राजनीति के अजातशत्रु, भारत रत्न श्रद्धेय अटल जी ने आधुनिक भारत के निर्माण की नींव रखी। लगभग 6 दशक एक निष्कलंक जीवन जीते हुए वे भारतीय राजनीति को नई ऊंचाइयों पर ले गए। भारत को एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए उनके सद्प्रयासों के प्रति यह राष्ट्र सदा कृतज्ञ रहेगा। लोकभवन में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा उनके कई कैबिनेट सहयोगी व भाजपा पदाधिकारी मौजूद थे।

लोगों के बेहतर व गुणवत्तापूर्ण जीवन के लिए समर्पित थे अटल : मोदी

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अटल जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि। राष्ट्र निर्माण में उनके अद्वितीय योगदान के लिए उन्हें अनगिनत लोगों द्वारा याद किया जाता है।" उन्होंने कहा कि वाजपेयी ने अपना पूरा जीवन यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित कर दिया कि लोगों को एक बेहतर व गुणवत्तापूर्ण जीवन मिले। प्रधानमंत्री ने इसके साथ ही 'सदैव अटल' पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह की कुछ तस्वीरें भी साझा की।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।